>

Title: Need to reopen the Kariappa Marg passing through Cantonment Varanasi in Uttar Pradesh.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): सभापति महोदय, उत्तर प्रदेश के जनपद वाराणसी में सेना परिसर के अंदर से करिअप्पा मार्ग है और लगातार इस मुद्दे को हमने सदन में कई बार उठाया है कि करिअप्पा मार्ग को खोला जाए। सेना के अधिकारियों ने जबकि वह पुरानी सड़क है, बनारस के आधे से ज्यादा लोग आबादी जिला मुख्यालय और अन्य सरकारी दफ्तरों में उस करिअप्पा मार्ग से जाते हैं। लेकिन लगातार सेना के अधिकारी उस मार्ग को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं और बाधित कर भी रहे हैं। लोगों के आने-जाने को उस रोड पर पूरी तरह से अवरुद्ध किया जा रहा है।

ऐसी स्थिति में आपके माध्यम से सरकार से मेरी मांग है कि वाराणसी शहर में जो जाम की समस्या होती है, उस मार्ग के चलते भी बड़े पैमाने पर जाम लगता है। लाखों लोग प्रतिदिन करिअप्पा मार्ग से साइकिल, मोटर साइकिल और अन्य वाहनों के माध्यम से जिला मुख्यालय जाने का काम करते हैं। शहर की आधी आबादी उसी रास्ते से होकर जिला मुख्यालय जाती है। लेकिन लखनऊ में जो सेना परिसर है, उसके बीच से जाने का रास्ता है, इलाहाबाद में है, पटना में है, लेकिन बनारस के सेना के अधिकारी और कुछ लोग मिलकर उस मार्ग को बराबर रोकने का काम करते हैं। वे इतना ही नहीं करते हैं, बल्कि उस गेट से, उस रास्ते से जो लोग विभिन्न साधनों से जाते हैं, उन्हें उतरकर पैदल सिर झुकाकर जाना पड़ता है। आजादी के इतने दिनों के बाद भी करिअप्पा मार्ग के सामने जिस तरह से नागरिक अपमानित होते हैं, उससे बहुत ही शर्मिन्दगी महसूस होती है।

अतः आपके माध्यम से हमारी सरकार से मांग है कि करिअप्पा मार्ग को वाराणसी की जनता के आने-जाने के लिए खोला जाए।

सभापति महोदय : श्री धनंजय सिंह को श्री रामकिशुन जी द्वारा उठाये गये उपरोक्त मुद्दे से सम्बद्ध किया जाता है।